कक्षा-10

हिंदी

UP BOARD EXAM

काव्य सौन्दर्य के तत्व

2

नंबर पक्के

छन्द

रोला और सोरठा

एकदम बेसिक से

[काव्य सौन्दर्य के तत्व]

★छन्द★

जिस रचना में मात्राओं एवं वर्णों विशेष व्यवस्था होती है, संगीतात्मकता लयात्मकता होती है, छन्द कहलाती है।

मात्रा:-

उच्चारण काल में लगने वाले समय को मात्रा कहते हैं।

Hindi By:- Arunesh Sir

मात्रा के प्रकार(2)

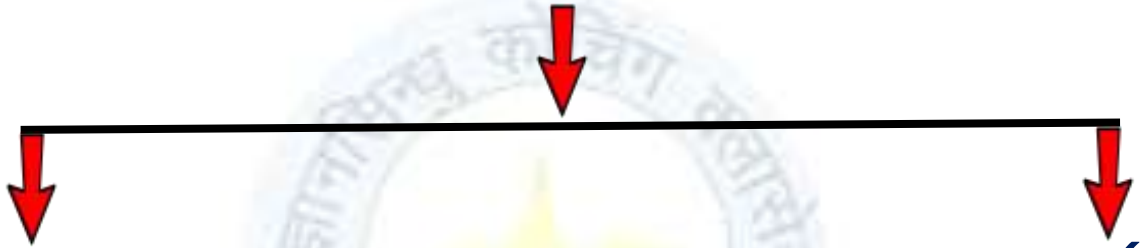

लघु (ह्रस्व)
चिह्न - ।
अ इ उ ऋ ँ

गुरु (दीर्घ)
चिह्न- ऽ
आ, ई, ऊ, ए, ऐ
ओ, औ, अं, अः
→ संयुक्त व्यंजन से पूर्व का वर्ण
→ या उच्चारण के आधार पर

Subscribe

Hindi By:- Arunesh Sir

यति:- (विराम)-

छन्द की लय के प्रवाह में आने वाले विराम को यति कहते हैं।

पाद/चरण:-

प्राय: चार पंक्तियाँ छन्द में होती हैं, इन्ही में से एक पंक्ति को चरण या पाद कहते हैं।

सम चरण-दूसरा व चौथा ।
विषम चरण-पहला व तीसरा छन्द में

Hindi By:- Arunesh Sir

छन्द के प्रकार

3

वर्णिक

जिसमें वर्णों की निश्चित संख्या की ग,गणना हो।

मात्रिक

जिसमें मात्रा की संख्या निर्धारित हो।

कोई बाध्यता नहीं ।

Subscribe

Hindi By:- Arunesh Sir

"सोरठा"

लक्षण: -

यह दोहे का उल्टा होता है। इसके प्रथम और तृतीय चरण में ग्यारह- ग्यारह मात्राएँ एवं द्वितीय व चतुर्थ चरण में तेरह-तेरह मात्राएँ होती हैं।

Hindi By:- Arunesh Sir

उदाहरण-

"कुंद इन्दु सम देह
उमा रमन करूना अयन।
जाहि दीन पर नेह,
करहुकृपा मर्दन अयन ।।”

11→ ऽ | | | | | | ऽ |

जो सुमिरत सिधि होइ

13→ | | ऽ | | | | | | | | |

Subscribe

Hindi By:- Arunesh Sir

गन नायक करिवर बदन।

(11) → I I I I S I I S I

करहु अनुग्रह सोइ,

13→ S I S I I I I I I I I

बुद्धि रासि, सुभ गुन सदन ।"

Hindi By:- Arunesh Sir

अन्य -

- 'बन्दउ गुरु पद कंज,
  कृपा सिन्धु नर रूप हरि।
  महा मोह तप पुंज,
  जासु वचन रविकर निकर।।"

- लिखकर लोहित लेख, डूब गया दिन मणि अहा।
  व्योम सिन्धु सखि देख, तारक बुदबुद दे रहा ।।

Subscribe

- बंदउ मुनि पद कंज रामायन जिहि निरमयउ।
  सरवर सुकोमल मंजु दोष रहित दूषन सहित ॥

रोला

लक्षण–

यह एक सममात्रिक छन्द है। इसमें चार चरण होते हैं, प्रत्येक चरण में 24-24 मात्राएँ होती हैं। 11 और 13 मात्राओं पर यति होती है।

Hindi By:- Arunesh Sir

उदाहरण :- । । ऽ । । ऽ ऽ । ऽ । । । । । । । ऽ । ।

कोउ पापिह पंचत्व प्राप्त सुनि जमगन धावत ।
जनि-बनि बावन बीर बढ़त चौचंद मचावत ।
पैतकि ताकी लोथ त्रिपथगा के तट लावत।
नौ द्वै ग्यारह होत तीन पाँचहि बिसरावत ।।

Subscribe

Hindi By:- Arunesh Sir

अन्य:-

स्वति घटा घहराति मुक्ति पानिप सौं पूरी।
कैंधौ आवति झुकति सुभ्र आभा रुचि रुरी।
मीन मकर जलव्यालनि की चल चिलक सुहाई।
सो जनु चपला चमचमाति चंचल छवि छाई ॥

S I I I I S I I I S I S I I I S S

Hindi By:- Arunesh Sir

॥ अभ्यास प्रश्न ॥

प्रश्न 1. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित छन्दों के नाम लिखिए–

मैं समुझ्यौ निरधार, यह जगु काँचो काँच सौ।
एकै रूप अपार, प्रतिबिम्बित लखियत जहाँ।।

उपर्युक्त कविता में छन्द बताइए।

प्रश्न 2. भरत चरित करि नेम, तुलसी जे सादर सुनहिं।
सियाराम पद प्रेम, अवसि होइ मन रस विरति।।

उपर्युक्त कविता में छन्द बताइए।

प्रश्न 3. जो सुमरित सिधि होई गननायक करिवर बदन।
करहु अनुग्रह सोई, बुद्धिरासि सुभ-गुन-सदन।।

उपर्युक्त कविता में छन्द बताइए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में प्रयुक्त छन्द को पहचानकर लिखिए–

बंदहुँ मुनि पद कंज, रामायन जेहि निरमयउ।
सरवर सुकोमल मंजु, दोस रहित दूसन सहित।।

Subscribe

Hindi By:- Arunesh Sir